विक्रम विश्वविद्यालय,उज्जैन

क्रमांक/अकादमिक/सम्बद्धता/2017/757 दिनांक : 13-11-17

प्रति,

प्राचार्य,
ज्ञानोदय इन्स्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज,
सांडिया,तह.–मनासा,जिला–नीमच।

विषय : **विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 में निर्मित परिनियम क्रमांक 27 के प्रावधानान्तर्ग अस्थाई सम्बद्धता प्रदान करने के संबंध में।**

संदर्भ :– महाविद्यालय का सम्बद्धता आवेदन क्रमांक/135–136,दिनांक 10.04..2017

उपरोक्त संदर्भित विषयान्तर्गत में नवीन संकाय/नवीन विषय/सीट संख्या वृद्धि की जाने/संबद्धता प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा गठित निरीक्षण समिति द्वारा महाविद्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण समिति से प्राप्त अनुशंसा को विद्यापरिषद् की स्थायी समिति की बैठक दिनांक 16.06.2017 एवं 28.07.2017 में प्रस्तुत किया गया, तत्पश्चात निर्णयानुसार पुनःविश्वविद्यालय के पत्र क्रमांक/अकादमिक/सम्बद्धता/2017/120,दिनांक 13.09.2017 के द्वारा नवीन निरीक्षण समिति का गठन किया गया। गठित नवीन निरीक्षण समिति द्वारा पुनः निरीक्षण किया गया तथा निरीक्षण समिति की अनुशंसा को विद्यापरिषद की स्थायी समिति की बैठक दिनांक 06.10.2017 में प्रस्तुत किया गया जिसमें लिये गये निर्णयानुसार महाविद्यालय द्वारा महाविद्यालय द्वारा प्रस्तुत किये गये शपथ पत्र के आधार पर सत्र 2017–18 से आवेदित विषय की सम्बद्धता निरीक्षण समिति से प्राप्त अनुशंसानुसार प्रदान की जाती है।

उक्त बैठक के निर्णय के अनुसरण में महाविद्यालय द्वारा प्रस्तुत किये गये शपथ पत्र के आधार पर निम्न विवरणानुसार सत्र 2017–18 से शर्तो के अधीन कार्यपरिषद् के अनुमोदन की प्रत्याशा में नितांत अस्थाई सम्बद्धता प्रदान की जाती है :–

क्रं.	पाठ्यक्रम	सीट संख्या
01.	बी.ए.बी.एड.–द्वितीय वर्ष	50
02.	बी.एड.–द्वितीय वर्ष	50

शर्तें :–01. विद्यापरिषद् की स्थायी समिति की बैठक दिनांक 06.10.2017 में लिये गये निर्णय का पालन करना सुनिश्चित करें।

02. एक सहायक प्राध्यापक द्वारा त्यागपत्र दे कर चले जाने से उसकी जगह पर परिनियम क्रमांक 28 के अन्तर्गत नियुक्ति की जाये।
03. पाठ्यक्रमों से संबंधित सभी प्रयोगशालाओं को अपग्रेड किया जाना सुनिश्चित करें।
04. कम्प्यूटर प्रयोगशाला में 13(तेरह) और नये कम्प्यूटर क्रय कर प्रयोगशाला में रखे जा कर छात्रों को उपलब्ध कराये जाये।
05. पुस्तकालय में पुस्तकों को रखने की समुचित व्यवस्था की जाये, जैसे ग्लास डोर आदि लगवाये जाये, प्रत्येक विषय से सम्बन्धित पन्द्रह–पन्द्रह पुस्तकें और नये एडिशन्स की क्रय कर रखी जाये।
06. पुस्तकालय की पुस्तकों पर एक्सेसन नम्बर अंकित किये जाये।
07. सभी ट्वालेट्स में एग्जास्ट फेन लगाये जाये।
08. मेन रोड से इन्स्टीट्यूट तक की एप्रोच रोड ठीक करायी जाये।
09. इन्स्टीट्यूट परिसर में पौधारोपण कराया जाये।

निरंतर...02